काम नहीं केवल उद्घाटन करेंगे

फ़रीदाबाद (म.मो.) जनता को बेवकूफ़ बनाने के लिये जहां केन्द्र में मोदी सरकार वहीं हरियाणा में खट्टर सरकार जनहित कार्यों के नाम पर केवल कामों का उद्घाटन व शिलान्यास करते हैं। उक्त भाजपाई नेता नित नई-नई घोषणायें करने के साथ-साथ शिलान्यास सर किसी काम की शुरूआत का उद्घाटन भी करते रहते हैं। इन नेताओं का मानना है कि ऐसा करने से जनता को लगेगा कि सरकार उन के लिये लगातार दिन-रात काम करके उन्हें सुविधायें देने में प्रयासरत है। लेकिन अब जनता इतनी बेवकूफ़ नहीं रह गयी है, उसने समझ लिया है कि इन्होंने करना-कराना कुछ नहीं केवल झांसेबाज़ी करते रहना है।

करीब तीन साल पहले विपुल गोयल ने बतौर मंत्री सेक्टर 10-11 की विभाजक सड़क के काम का उद्घाटन किया था जो सेक्टर सात को कचहरी एवं लघु सचिवालय से जोड़ती है। पूरी तरह से जर्जर हो चुकी इस सड़क से गुजरने वाले वाहन तो खड़खड़ा ही जाते हैं, धूल भी बेशुमार उड़ कर वायु प्रदूषित करती है। विपुल गोयल तो उद्घाटन करके अखबारों में फ़ोटो छपवा कर फारिग हो लिये और घर जा बैठे। अब बारी आई उनके बाद विधायक बने नरेन्द्र गुप्ता की। करीब एक वर्ष पूर्व इन्होंने व केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गूजर ने मिल कर फ़िर से तगड़ा उद्घाटन किया, दोनों ने नारियल फ़ोड़े। अखबारों द्वारा फ़िर से सरकार व उसके मंत्रियों का यशोगान किया गया। लेकिन सड़क पर कोई काम शुरू नहीं हुआ। जनता ने जब थोड़ा बहुत मियाना शुरू किया तो नगर निगम द्वारा एक ठेकेदार को यह काम एलॉट कर दिया गया।

ठेकेदार ने काम पर अपना कब्ज़ा पक्का करने के नाम पर सेक्टर सात की ओर से करीब 200 मीटर सड़क को जेसीबी द्वारा खोद डाला और खोदने के बाद गायब हो गया। बीते करीब आठ माह से सड़क का वह हिस्सा खुदा पड़ा है। जाहिर है इसके परिणामस्वरूप जो जनता, पहले टूटी सड़क को भुगत रही थी अब उससे भी महरूम हो गयी। बहूत दुखी होने के बाद स्थानीय लोगों ने ही कुछ जुगाड़बाज़ी करके खुदी हुई सड़क के एक हिस्से को चलने लायक बनाया। शेष बची डेढ किलोमीटर सड़क ज्यों की त्यों जर्जर हालत में पड़ी जनता को मुंह चिढा रही है। यह तो एक छोटा सा उदाहरण मात्र है वरना शहर के हर हिस्से में नगर निगम के ऐसे कारनामे बिखरे पड़े हैं। प्याली चौक से हार्डवेयर चौक तक की बनने वाली सड़क भी उस क्षेत्र की जनता के जी का जंजाल बनी है।

इन तमाम छुट-मुट उद्घाटनों से कहीं बड़ा उद्घाटन 14 अगस्त 2014 को स्थानीय सांसद एवं केन्द्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी द्वारा मंझावली पुल का किया गया था। साढ़े सात साल हो गये हैं लेकिन पुल के बन पाने के कोई आसार नज़र नहीं आ रहे; हां यदा-कदा कृष्णपाल गूजर उस पुल से जनता को होने वाले लाभ जरूर गिनवाते रहते हैं ताकि उस क्षेत्र की ज़मीनों के भाव बढ़ते रहें।

बाटा रेलवे फ्लाईओवर ने फ़िर मांग ली मरम्मत

फ़रीदाबाद (म.मो.) बहुत समय नहीं हुआ जब इस पुल की मरम्मत के लिये इसे यातायात के लिये बंद कर दिया था। उस वक्त पुल के तमाम सस्पेंशन ज्वाइंट खड़खड़ा गये थे। इन्हें बदलने एवं ठीक करने के लिये करीब चार सप्ताह के लिये यातायात बंद कर दिया गया था। वही पुरानी समस्या आज फिर उभरकर सामने आने लगी है।

हाईवे की ओर से पुल पर चढते वक्त सड़क में बने गड्ढे बताते हैं कि रिश्वतखोरी के चलते कितनी घटिया सामग्री इसके सड़क निर्माण में लगाई गई होगी। यदि सामग्री ठीक लगाई गई होती तो कंक्रीट लेंटर के ऊपर बनी सड़क में खड्डे पड़ने का कोई मतलब नहीं बनता। इन खड्डों से आगे निकलने के बाद सस्पेंशन ज्वाइंट खड़खड़ाने लगते हैं। चौथा ज्वाइंट तो खड़खड़ा कर इस कदर उखड़ गया कि दिनांक 8 नवम्बर से उसकी मरम्मत का कार्य चल रहा है। 10-12 दिन में यह काम तो पूरा हो जायेगा। जिसकी वजह से वाहन चालक जाम को भी भुगत लेंगे, लेकिन बाकी ज्वाइंटों का क्या होगा? वे भी बहुत जल्दी उखड़ने को तैयार हैं। जाहिर है शीघ्र ही पुल को एक बार फ़िर से बंद किया जा सकता है। लाखों रुपया मरम्मत पर खर्च कर दिया जायेगा। परन्तु यह पूछने वाला कोई नहीं है कि ये ज्वाइंट इतनी जल्दी खड़खड़ा कैसे गये? किस-किस ने इस धंधे में कितना माल डकारा है? दरअसल पूछे कौन, जब पूछने वालों ने पहले ही अपना हिस्सा बटोर लिया हो।

ऐसा ही दूसरा उदाहरण बाईपास रोड से नहर पार जाने वाले पुल का भी है। सेक्टर 17 के पीछे बाईपास पर स्थित पेट्रोल पंप के सामने से गुड़गांव नहर व आगरा नहर को पार करने वाला जो पुल मात्र डेढ साल पहले ही बनकर तैयार हुआ था उसकी भी हालत कुछ ऐसी ही है। नहरों की ओर से बाईपास की तरफ़ आने वाली साईड की हालत भी खराब है। जब ये साईड बाईपास से मिलती है तो ऐसा लगता है कि जैसे वाहन गड्ढे में जा रहा हो।

हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक शाम पंजाबियत के नाम

यूथ ऑफ़ यूनिवर्स और लीसंग इन्टरनेशनल द्वारा सांस्कृतिक धमाका

फ़रीदाबाद (म.मो.) हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, यूथ ऑफ़ यूनिवर्स और लीसंग इन्टरनेशनल के सांझे प्रयास से फ़रीदाबाद के लम्बे साहित्यिक सांस्कृतिक सन्नाटे को एक शानदार अन्दाज़ में पूर्णतया झंकृत कर दिया।

हरियाणा के प्रख्यात डीएवी सैन्चुरी कॉलेज के भव्य ऑडिटोरियम की सांस्कृतिक शाम को विद्वानों, कलाकारों, भाषाविदों, संगीत उपासकों और महान व्यक्तियों के एक मनोहर सुन्दर उत्सव के रूप में याद किया जायेगा।

हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के यशस्वी डिप्टी चेयरमैन सरदार गुरविन्दर सिंह धमीजा की औजपूर्ण उपस्थिति में फ़रीदाबाद के लोगों ने बहुत देर तक इस सुरीले आयोजन का आनन्द लिया। इस अवसर पर पद्मभूषण डॉक्टर ब्रह्मदत्त, जर्मन भाषाविद वाईस चांसलर डॉक्टर ईश्वर सिंह डागर, प्रख्यात मोटीवेटर स्पीकर संदीप गोस्वामी एवं लीसंग इन्टरनेशनल के चेयरमैन ज्योति संग ने पंजाबी भाषा की पंजाबियों द्वारा बुद्धिजीवी लोकप्रिय नेता विजय प्रताप ने एक अलग और रोचक अंदाज से इस विषय पर विस्तार से रोशनी डाली।

श्रोताओं से खचाखच भरे हाल में पद्मश्री ब्रह्मदत्त ने विचारक लेखक और प्रबुद्ध वक्ता सरदार गुरविन्दर सिंह धमीजा को शान-ए-पंजाबियत अवार्ड से सम्मानित किया। इस कड़ी में फ़रीदाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति और फ़रीदाबाद इन्डस्ट्रीज़ एसोसिएशन के प्रधान बीआर भाटिया, फ़रीदाबाद मैन्यूफैक्चरर एसोसिएशन के प्रधान सरदार सुखदेव सिंह एवं फरीद की नगरी के एक सम्मानित व्यवसायी तथा पंथ एवं समाज को समर्पित समाजसेवी, सरदार अमरजीत सिंह को सम्मानित किया गया। देश के प्रख्यात आरटीआई ऐक्टिविस्ट सुप्रीम कार्ट के अधिवक्ता पद्मश्री ब्रह्मदत्त ने सभी विभूतियों को अपने कर कमलों से सम्मानित किया। संगीत जगत का ओजस्वी

नाम अंजू मुंजाल ओर उनकी शिष्याओं और अनन्ता श्रीवास्तव के योगदान ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिए।

इस कार्यक्रम में फ़रीदाबाद के लोकप्रिय पार्षद सरदार जसवंत सिंह ने जोरदार सहयोग दिया। उनके अलावा देवेन्द्र भोला (पूर्व पार्षद) दीपू दीपक (रंगकर्मी), डॉक्टर अंकुश शर्मा, रमन चन्दोतरा, रंजीत सिंह राना, राघव संग और भीम चौधरी का सहयोग भी अत्यंत सराहनीय था।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि सरदार अवतार सिंह खुराना और मुख्य वक्ता सरदार सुरजीत सिंह कुन्जाही, स्वास्थ कारणों से कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाए। बुद्धिजीवी वर्ग और श्रोताओं द्वारा उनकी अनुपस्थिति को महसूस किया गया।

नगर के अन्य प्रबुद्धजनों, सतीश कुमार (पत्रकार) सरदार एमएस रजनीकर रेपको न्यूज़, गुरूप्रसाद सिंह (रॉकी) बीके शर्मा संग (ओमेक्स फोरेस्ट स्पा) समाजसेवी जितेन्द्र सिंह खालसा, परमजीत सिंह ऑल इन्डिया सेवा दल, जगजीत कौर पन्नू समाजसेविका, जसविन्दर सिंह, जसमीत सिंह, सिंह चैनल, बलबीर सिंह, गतका पार्टी, गुरमीत सिंह लिटल (चड़दी कला सेवा दल), विकास मेहरा, गुरदेव सिंह, रूबी सिंह, अमृतपाल सिंह (सिख यूथ टीम), विक्की सलूजा दलजीत सिंह भौंकी को भी सरोपा देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रोग्राम का दूसरा सुरीला हिस्सा, ''पंजाबी गीतां दा छणकारा''में कलाकारों ने हाल में बैठे लोगों को थिरकने और झूमने के लिए विवश कर दिया। भविष्य के राक स्टार जावेद महबूब खान और उभरती गायिका राधिका अरोड़ा ने अपने गीतों से समां बांध दिया और अपनी मधुर स्वर लहरी से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

रवि कुमार एसई को एमसीएफ़ में मिला सेवा विस्तार

ऐसे भ्रष्टाचारियों को भला कैसे सेवानिवृत कर दें

फ़रीदाबाद (म.मो.) 31 अक्तूबर को सेवा निवृत हुए सुपरिंटेंडिंग इंजीनीयर रवि कुमार को तीन नवम्बर से फ़िलहाल आगामी एक वर्ष के लिये सेवा विस्तार देकर हरियाणा के राज्यपाल प्रसन्न हैं। जी हां, अफ़सरशाही जो भी आदेश-पत्र जारी करती है उसमें राज्य के गवर्नर सदैव प्रसन्न होते हैं। यह आदेश शहरी लोकल बॉडीज के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता ने अपने हस्ताक्षर से जारी किया है।

रवि कुमार बमुश्किल ले-देकर एक डिप्लोमाधारक हैं। इन्होंने कभी किसी इंजीनीयरिंग कॉलेज की शक्ल तक नहीं देखी, इसके बावजूद भी नगर निगम इनको सेवानिवृत्त होने के बाद भी सेवा में बनाये रखना चाहती है। इनमें ऐसे क्या गुण हैं जो शासन-प्रशासन को अन्य किसी डिप्लोमाधारक में न मिल सकें। जानकार बताते हैं कि यह महाशय रिश्वत खाने व ऊपरवालों को खिलाने में काफ़ी महारत रखते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सेक्टर 30-31 के आस-पास स्थित स्प्रिंग फील्ड कॉलोनी के कॉलोनाइज़र ने बिजली विभाग को एक करोड़ रुपये जमा कराना

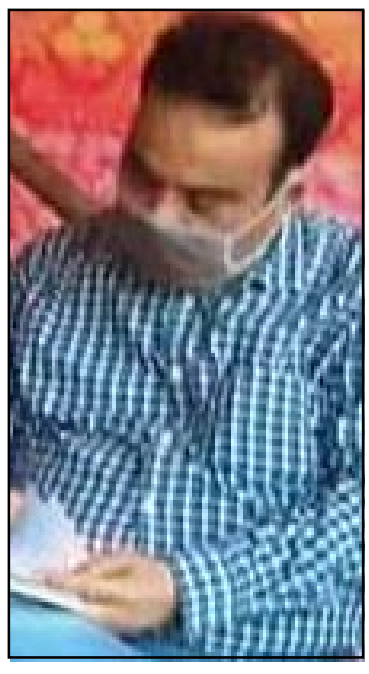

था, लेकिन उसने रवि कुमार से सांठ-गांठ करके 23,77,538/- रुपये नगर निगम की ओर से जमा करा दिया। जाहिर है कि रवि ने कॉलोनाइज़र पर यह मेहरवानी मुफ़्त में तो नहीं ही की होगी।

इसके बाद निगमायुक्त खुल्लर के वक्त भी इसी कॉलोनी के लिये 45 लाख का चेक खुल्लर साहब से साइन करवा लिया था। लेकिन कॉलोनाइज़र से लेन-देन के चक्कर में वह बना-बनाया चेक दो-चार दिन निगम कार्यालय में ही पड़ा रह गया तो किसी ने इस घोटाले को सार्वजनिक कर दिया। भनक पाते ही खुल्लर ने चेक रद्द कर दिया।

सारे मामले में कॉलोनाइज़र के खिलाफ थाना एसजीएम नगर में आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया गया तथा रवि कुमार को चार्जशीट करके इन्क्वायरी का ड्रामा किया गया। बाद में मात्र 2 लाख रुपये जुर्माना करके रवि कुमार को अपने सुनहरे भविष्य में फ़लने-फूलने का मौका दे दिया गया। नगर निगम से लुटाये गये वे 37 लाख गये तो गये। अब सोचिये ऐसे बढिया कलाकार रवि कुमार को भला सरकार रुलने के लिये कैसे छोड़ दे। यह सेवा विस्तार भी कोई मुफ्त में नहीं मिलता। इस पर भी 20-30 लाख का खर्चा आता है, अफसरों व नेताओं की भेंट करने पर।